The International Association of Lions Clubs

The International Association of Lions Clubs was founded in 1917 to bring succour to the poor and needy across the World. The organization's motto is "WE SERVE" and slogan is Liberty, Intelligence, Our Nations Safety.

The International Association of Lions Clubs is headquartered at Chicago, USA and there is an Area Office in Mumbai. The last 100 years have seen it grow to the strength of over 1.4 million volunteer members, serving through 46000 clubs in 210 countries across the world.

The organization celebrated it's Centennial in 2017 and, as a special Centennial Service Challenge, Lions Clubs International (LCI) has undertaken to serve 100 million people worldwide, 25 million each in the 4 key areas of Sight, Environment, Youth & Hunger.

At the International Convention in 1925, the late Hellen Keller- the champion of the Blind, gave Lions the vision to become the "Knights of the Blind" and since then Prevention & Eradication of Blindness has been the signature activity worldwide.

LCI was invited to join in an advisory capacity on the committee drafting the United Nations Charter in 1945. Even today, LCI remains associated with UNESCO in an advisory capacity & LCI is the only NGO, whose International President has the opportunity to address the UN General Assembly on Lions Day each year.

With the setting up of Lions Clubs International Foundation (LCIF) – the charitable arm of LCI on 13th June 1968 – LCI opened up a new era in extending succour to communities and causes across the world. Till date, LCIF has awarded more than USD 901 million as grants worldwide – for restoring sight, supporting youth, disaster relief and other humanitarian issues.

As a result of the transparency and accountability maintained by LCIF, its members are proud to have many of the world's leading philanthropic trusts as partners in Service.

The Lions movement came to India in 1956, with the formation of the first two clubs at Mumbai & Delhi. The movement has enjoyed steady growth over the years and today, in just over 60 years, India constitutes the second largest body of Lions in the world-with nearly 250000 members serving through 6400 clubs in every nook and corner of the country.

Two Indians have already proudly served as International Presidents – in 1992-93 & 2005-06, and from July 2018 onwards, yet another Indian- Lion Naresh Aggarwal- will again be the International President – leading the organization into the next Century of its existence.

Through LCIF, India has received, 1535 grants worth USD 83 million (Rs. 53.76 crore) for the causes related to disaster relief, restoring sight, supporting youth, and other Humanitarian causes. Of these, over 500 grants worth USD 3.7 million (Rs. 23 Crores) are for disaster relief alone.

Lions have raised more than Rs. 22.8 crore (USD 3.57 million) to fund 'Sight First' programs in India. Over 236 Hospitals have been upgraded / set up in India with LCIF Grants. In the next three years, Lions will screen 25 lakh patients for vision disorders, perform nearly 100,000 cataract surgeries and treat over 20,000 people for other sight conditions.

The Lions Quest program is a comprehensive youth development program for social and emotional learning, that promotes character education, drug awareness and service learning in a caring, safe, participatory learning environment, allowing students to develop 21st Century life skills. To date, working in over 10 local languages, Lions have impacted over 1 million youth and trained 30,000 educators under this programme.

LIONS are involved in every aspect of Social Welfare activities in the country and have made significant contributions in terms of financial investments, benefits to community and the people at large. Lions Clubs have established and run Hospitals & medical Centres, Schools, Orphanages, Institutions for the Specially Challenged, Old Age Homes, Blood Banks, Dialysis Centres etc.

Lions Clubs International has also recently been chosen as one of the Brand Ambassadors for the Swachh Bharat Abhiyan of the Government of India.

There is virtually no sphere of social service left untouched by this organization and the multifarious service activities are conducted pan India on a daily basis, benefiting lakhs of the poor & needy populace.

The Centennial Slogan- "WHERE THERE'S A NEED, THERE'S A LION" aptly summarizes the culture, work and social contribution of this organization.

Department of Posts is pleased to issue a Commemorative Postage Stamp on The International Association of Lions Clubs on its centennial celebration.

Credits:

Text	:	Based on the information received from proponent
Stamp/ FDC/ Brochure	:	Smt. Nenu Gupta
Cancellation Cachet		

भारतीय डाक विभाग

Department of Posts
India

लायन्स क्लब्स अंतरराष्ट्रीय संगठन
THE INTERNATIONAL ASSOCIATION OF LIONS CLUBS

विवरणिका **BROCHURE**

लायन्स क्लब्स अंतरराष्ट्रीय संगठन

लायन्स क्लब्स अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना विश्वभर के निर्धन और जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से वर्ष 1917 में की गई थी। इस संगठन का आदर्श वाक्य है "वी सर्व" और इसका नारा है स्वतंत्रता, आसूचना, अपने देश की सुरक्षा।

लायन्स क्लब्स अंतरराष्ट्रीय संगठन का मुख्यालय संयुक्त राज्य अमरीका के शिकागो में स्थित है और इसका क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई में है। गत 100 वर्षों में, इसके स्वयंसेवक सदस्यों की संख्या बढ़कर 1.4 मिलियन हो गई है। ये स्वयंसेवक विश्वभर के 210 देशों के 46000 क्लबों के माध्यम से सहायता प्रदान करते हैं।

इस संगठन द्वारा अपने शताब्दी समारोह का आयोजन वर्ष 2017 में किया गया तथा शतवार्षिकी सेवा की एक चुनौती के रूप में लायन्स क्लब्स अंतरराष्ट्रीय संगठन ने विश्वभर में, दृष्टि, पर्यावरण, युवा मामले और भूख जैसे 4 प्रमुख क्षेत्रों में से प्रत्येक क्षेत्र के 25 मिलियन व्यक्तियों सहित कुल 100 मिलियन लोगों को सहायता प्रदान करने की शपथ ली।

वर्ष 1925 के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में, दृष्टिहीनों की मसीहा, स्वर्गीय हेलेन केलर ने लायन्स के समक्ष "दृष्टिहीनों के रक्षक" बनने का उद्देश्य रखा। उस समय से, "अंधेपन की रोकथाम और इसका उन्मूलन" इनका विश्व व्यापी मुख्य कार्यकलाप बन गया।

लायन्स क्लब्स अंतरराष्ट्रीय को वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र का घोषणापत्र तैयार करने वाली समिति में सलाहकार के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। आज भी लायन्स क्लब्स अंतरराष्ट्रीय, यूनेस्को के साथ एक सलाहकार के रूप में जुड़ा हुआ है। लायन्स क्लब्स अंतरराष्ट्रीय, एक मात्र ऐसा गैर-सरकारी संगठन है, जिसके अध्यक्ष को प्रत्येक वर्ष लायन्स दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र की आम सभा को संबोधित करने का अवसर प्राप्त है।

लायन्स क्लब्स अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठान (एलसीआईएफ), जो कि लायन्स क्लब अंतरराष्ट्रीय की सेवार्थ इकाई है, की स्थापना 13 जून, 1968 को की गई। इसके साथ ही, लायन्स क्लब्स अंतरराष्ट्रीय ने विश्व के सभी समुदायों और अनेक प्रकार के कार्यों में राहत प्रदान करने के एक नए युग का सूत्रपात किया। अब तक, एलसीआईएफ ने विश्वभर में, आंखों की रोशनी लौटाने, युवाओं को समर्थन देने, आपदा राहत और अन्य कल्याणकारी मामलों में 901 मिलियन यूएस डालर से अधिक आर्थिक सहायता प्रदान की है।

एलसीआईएफ की पारदर्शिता और जवाबदेही के परिणामस्वरूप, इसके सदस्य, सेवा में भागीदारों के रूप में, विश्व के कई अग्रणी लोकहितैषी संगठनों का सहयोग प्राप्त होने के कारण गौरवान्वित महसूस करते हैं।

भारत में, लायन्स आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1956 में हुई और मुंबई और दिल्ली में इसके दो क्लब स्थापित किए गए। यह आंदोलन वर्ष-दर-वर्ष निरंतर मजबूत होता गया और मात्र 60 से कुछ अधिक वर्षों में आज भारत, विश्व में सर्वाधिक लायन्स के साथ, दूसरे स्थान पर है। इसके लगभग 250000 सदस्य, देश के प्रत्येक भाग में 6400 क्लबों के माध्यम से सेवा प्रदान करते हैं।

दो भारतीय नागरिकों को वर्ष 1992-93 और 2005-06 में अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का गौरव प्राप्त है और जुलाई 2018 से एक अन्य भारतीय-लायन, श्री नरेश अग्रवाल, पुनः अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे, जिनके नेतृत्व में यह संगठन, अपने अस्तित्व की आगामी शताब्दी की ओर अग्रसर होगा।

लायन्स क्लब्स अंतरराष्ट्रीय संस्था के माध्यम से भारत के आपदा राहत, आंखों की रोशनी लौटाने, युवाओं से संबंधित मामलों और अन्य मानवीय कार्यों के लिए 83 मिलियन यूएस डालर (53.76 करोड़) मूल्य की 1535 आर्थिक मदद प्राप्त हुई है। इनमें से 3.7 मिलियन यूएस डालर (23 करोड़ रुपये) मूल्य की 500 से अधिक आर्थिक सहायता, केवल आपदा राहत कार्यों के लिए है।

लायन्स ने भारत में "दृष्टि सर्वप्रथम" कार्यक्रम को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए 22.8 करोड़ (3.57 मिलियन यूएस डालर) से अधिक की राशि एकत्र की है। लायन्स क्लब्स अंतरराष्ट्रीय संस्था से प्राप्त आर्थिक सहायता से भारत में 236 से अधिक अस्पताल अपग्रेड/ स्थापित किए गए हैं। आगामी तीन वर्षों में लायन्स द्वारा दृष्टि संबंधी रोगों के लिए 25 लाख व्यक्तियों की जांच की जाएगी, मोतिया बिंद के लिए लगभग 100,000 सर्जरी की जाएगी और दृष्टि संबंधी अन्य समस्याओं के लिए 20,000 से अधिक लोगों का इलाज किया जाएगा।

सामाजिक और भावनात्मक अध्ययन हेतु लायन्स क्वेस्ट कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जोकि एक व्यापक युवा विकास कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम सकारात्मक, सुरक्षित, सहभागिता पूर्ण शिक्षण परिवेश में चारित्रिक शिक्षा, ड्रग्स संबंधी जागरुकता और सेवा भावना को बढ़ावा देता है ताकि विद्यार्थियों में 21वीं शताब्दी के जीवन की चुनौतियों का सामना करने हेतु कौशल विकसित हो सके। 10 से अधिक स्थानीय भाषाओं में कार्य करते हुए लायन्स ने अब तक 1 मिलियन से अधिक युवाओं को प्रभावित किया है और इस कार्यक्रम के अंतर्गत 30,000 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है।

'लायन्स', देश के समाज कल्याण के कार्यकलापों के प्रत्येक पहलू में शामिल हैं और उन्होंने वित्तीय निवेश में समुदायों और विशेषकर जनसामान्य के हितलाभों के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया है। लायन्स क्लब्स द्वारा अस्पताल और चिकित्सा केन्द्र, विद्यालय, अनाथाश्रम, विशेष जरुरतों वाले बच्चों के लिए संस्थाएं, वृद्धाश्रम, ब्लडबैंक, डायलिसिस केन्द्र आदि स्थापित किए गए हैं और चलाए जा रहे हैं।

हाल ही में भारत सरकार द्वारा लायन्स क्लब्स अंतरराष्ट्रीय को स्वच्छ भारत अभियान के लिए एक ब्रांड एम्बैसेडर के रूप में भी चुना गया है।

वास्तव में, समाज सेवा का ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जो इस संगठन से अछूता हो तथा समस्त भारत में विविध प्रकार के सेवा संबंधी कार्यकलाप दैनिक आधार पर किए जाते हैं, जिनसे लाखों निर्धन और जरूरतमंद लोग लाभान्वित होते हैं।

लायन्स क्लब के शताब्दी समारोह का नारा "जहां आवश्यकता है, वहां एक लायन है", इसकी संस्कृति, कार्य और इस संगठन के सामाजिक योगदान को उपयुक्त रूप से चरितार्थ करता है।

डाक विभाग, "लायन्स क्लब्स अंतरराष्ट्रीय संगठन" के शताब्दी समारोह के अवसर पर पर एक स्मारक डाक-टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभारः-

मूलपाठ	:	प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर आधारित
डाकटिकट/प्रथम दिवस आवरण/ विवरणिका/विरूपण	:	श्रीमती नीनू गुप्ता

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	1500 पैसा
Denomination	:	1500 p
मुद्रित डाक-टिकटें	:	650475
Stamps Printed	:	650475
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	भारतीय प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at
http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्यः ₹ 5.00